



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

अक्षयरात्रि

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 2

PART 1—Section 2

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25] नई दिल्ली, रविवार, नवम्बर 6, 1977/कार्तिक 15, 1899

No. 25] NEW DELHI, SUNDAY, NOVEMBER 6, 1977/KARTIKA 15, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न थी जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(Department of Textiles)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th November 1977

SUBJECT.—Notification of the Development Commissioner for Handlooms as the Ex-officio Commissioner for Handlooms Cooperatives and his functions thereof.

No. 23/1/77-Coop.—Government of India vide their Resolution No 4/59/74-Tex IV dated 24th October, 1975 published in Gazette of India, Extraordinary Part 1, Section 1 of 24th October, 1975 had announced its decision on the recommendations of High Powered Study Team on Handloom Industry under the Chairmanship of Shri B. Sivaraman, Member Planning Commission

In terms of the recommendation No 6 (a) of the Study Team which has been accepted by the Government, 'The Development Commissioner for Handlooms' is hereby declared as the Ex-officio Central Commissioner for Handlooms Cooperatives. The following shall be the duties and functions of the Central Commissioner for Handloom Cooperatives

- (a) Formulating a national policy for the development of handlooms in the cooperative sector
- (b) Formulating plans for promoting the growth of handloom cooperatives including primary, regional, State and Central level as also of Co-operative Spinning Mills, as a distinct sector in the national economy.

- (c) Evolving approach for the integrated development of credit and marketing requirements of primary handloom cooperatives.
- (d) Maintaining coordination with the State Governments, the Central Ministries, Reserve Bank of India, National Cooperative Development Corporation and other national level organisations in respect of programmes and activities of handloom cooperatives including Cooperative Spinning Mills and ensuring that their policies are in line with the major objectives of the national policy.
- (e) Allocation of funds for development of handloom cooperatives.
- (f) Research in the methodology of their productions and trends in the functioning of handloom cooperatives, as well as specific problems relating to them arising from time to time.
- (g) Evaluation of the working of handloom cooperatives at various levels by obtaining periodical statements

K. RAMANUJAM, Jt. Secy

बाणिज्य, नागरिक पूर्ति व सहकारिता मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

ग्राधिसूचना

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1977

विषय:—हथकरघा विकास आयुक्त को, हथकरघा सहकारी समितियों तथा उनके कार्यों के लिए पदेन आयुक्त नियुक्त करने के लिए अधिसूचना।

सं० फा० 23/1/77—कोआप०.—भारत सरकार ने, अपने संकल्प संख्या 4/58/74 टैक्स 4, दिनांक 24 अक्टूबर, 1975 में, जो कि भारत के असाधारण राजपत्र भाग 1, खण्ड I में 24 अक्टूबर 1975 को प्रकाशित किया गया था, श्री बी० शिवारमन, सदस्य, योजना आयोग की अध्यक्षता में 'हथकरघा उच्चोग' पर उच्चाधिकार प्राप्त अध्ययन दल की सिफारिशों पर अपने निर्णयों की घोषणा की थी।

अध्ययन दल की सिफारिश संख्या 6(क) के अनुसार, जिसको कि भारत सरकार ने मंजूर किया है, हथकरघा विकास आयुक्त को एनड्हारा सहकारी समितियों का पदेन आयुक्त नियुक्त किया जाता है। हथकरघा समितियों के केन्द्रीय आयुक्त के कर्तव्य तथा कार्य निम्नलिखित होंगे :—

- (क) हथकरघा विकास के सहकारी क्षेत्र में राष्ट्रीय नीति बनाना।
- (ख) राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए विशिष्ट क्षेत्र के रूप में, हथकरघा सहकारी समितियों, जिन में प्राथमिक, क्षेत्रीय, राज्य और केन्द्रीय स्तर तथा साथ-साथ केन्द्रीय कर्ताओं मिले भी शामिल हैं, के विकास और संवर्धन के लिए योजनायें तैयार करना।
- (ग) प्राथमिक हथकरघा सहकारी समितियों की ऋण और विपणन सम्बन्धी आवश्यकताओं के नियंत्रित विकास के लिए नीति बनाना।
- (घ) हथकरघा सहकारी समितियों, जिसमें सहकारी कर्ताओं मिले भी शामिल हैं, के सम्बन्ध में राज्य सरकारी, केन्द्रीय मत्रान्वयों, भारतीय रिजर्व बैंक, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर के संगठनों के साथ समन्वय बनाये रखना और यह सुनिश्चित करना कि उनकी नीतियों राष्ट्र नीति व मुख्य उद्देश्यों के अनुरूप हैं।
- (ङ) हथकरघा सहकारी समितियों के विकास के लिए धन राशि निर्धारित करना।

- (च) हथकरघा सहकारी समिति के कार्य के रूपों तथा उत्पादन तरीकों और समय-समय पर उनसे सम्बन्धित आने वाली विशेष समस्याओं के भी सम्बन्ध में खोज करना।
- (छ) आवधिक विवरणों को प्राप्त करके विभिन्न स्तर पर हथकरघा सहकारी समितियों के कार्यों का मूल्यांकन करना।

के० रामानुजम, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मूल्यांकित तथा नियंत्रित, प्रकाशन विभाग, चिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

